हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
सोमवार, 21 दिसम्बर, 2015
बिहार का नं. 1 अखबार

जैविक खेती से मिट्टी की बढ़ जाती है उर्वरा शक्ति

कांटी/सकरा | हिन्दुस्तान संवाददाता

कांटी के श्रीसियां में प्रयास बचत एवं स्वावलंबी सहयोग समिति की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान जैविक खेती की महत्ता बताते हुए गोबर व जैविक खाद के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग की सलाह दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया के वैज्ञानिक डॉ. हेमचंद्र चौधरी व कृषि विशेषज्ञ डॉ. आरपी शर्मा ने किसानों को रबी फसलों की खेती के बारे में जानकारी दी। मौके पर राजमंगल राय, जमीला खातून, संजू देवी, शैल देवी भी थीं।

वहीं सकरा के बरियारपुर कांध पंचायत भवन परिसर में किसान गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम का आयोजन शिव-शक्ति बायो टेक्नोलॉजी लिमिटेड की ओर से हुआ। इसमें किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने व इसकी उपयोगिता को विस्तार से बताया गया। कंपनी के कृषि विशेषज्ञ प्रशांत कुमार परिडा ने किसानों को जैविक खेती से मिट्टी को मिलने वाली उर्वरा शक्ति की जानकारी दी। मौके पर मुखिया रंजीत कुमार राय, एम पी राय, विधनराज साहू, उपेन्द्र कुमार, प्रमोद, जितेन्द्र चौरसिया थे।

लीची किसानों को दी जा रही नवीनतम जानकारी

मुशहरी। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुशहरी के निदेशक डॉ. विशालनाथ ने रविवार को बताया कि लीची की बागवानी करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह की नवीनतम जानकारी दी जा रही है। लीची के पौधरोपण, सिंचाई, खाद के प्रयोग, कीटों के बचाव एवं टपक सिंचाई (स्प्रींकलर) की नवीनतम जानकारी प्राप्त कर लाभ ले सकते हैं। डॉ. विशालनाथ सीतामढ़ी के परसौनी प्रखंड के ध्रुवतारा गांव में आयोजित किसान संगोष्ठी से भाग लेकर लौटे थे। बताया कि अनुसंधान केंद्र व लेफ्टिनेंट अमित सिंह फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि भारत सरकार के बागवानी विभाग के पूर्व उपनिवेशक डॉ. एचपी सिंह थे। (हिसं)